AMAR UJALA MY CITY Page 5

विकास के लिए केंद्र स्तर पर हो रहे हैं प्रयास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसके विकास के लिए केंद्र सरकार के स्तर से भी प्रयास हो रहे हैं। उम्मीद है आने वाले वर्षों में विवि और तरक्की करेगा। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने रविवार को लखनऊ विवि के काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित वेबिनार में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विवि ई-लर्निंग, ई-कंटेंट, विद्यार्थी ओपीडी, सामुदायिक सेवा तथा विश्वविद्यालय प्रशासन कार्यप्रणाली के क्षेत्र में राज्य स्तर पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि ऑनलाइन मॉडल्स, ई-न्यूजलेटर, वेबसाइट पुनर्गठन, कम्युनिटी किचन, प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण इत्यादि पर काम चल रहा है। वेबिनार की संयोजक सीपीसी की निदेशिका एवं डीन कॉलेज डवलपमेंट काउंसिल प्रो. मधुरिमा लाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

आरक्षण प्रमाणपत्र न होने पर भी भरा जा सकेगा लविवि का आवेदन फॉर्म

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म में अभ्यर्थियों को आरक्षण प्रमाणपत्र का ब्यौरा भरने की अनिवार्यता में छूट दे दी है। एससी, ओबीसी तथा ईडब्ल्यूएस श्रेणी के अभ्यर्थियों की शिकायत थी कि लॉकडाउन की वजह से वे प्रमाण पत्र नहीं बनवा पा रहे हैं और आवेदन फॉर्म में आरक्षण प्रमाणपत्र का नंबर भरना होता है। प्रमाणपत्र न भरने या फिर गलत भरने पर उन्हें सामान्य अभ्यर्थी में शामिल माना जाता है। अभ्यर्थियों की समस्या को देखते हुए विवि ने विकल्प दिया है कि वो चाहें तो पुराने प्रमाण पत्र की डिटेल भर दें। कोई प्रमाण पत्र न होने पर उन्हें कॉलम खाली छोड़ने का विकल्प भी अब दिया जा रहा है। अब वे बिना समस्या के आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। छात्रों ने यह आरोप भी लगाया कि जब वे इसके लिए जारी हेल्पलाइन नंबर पर फोन करते हैं तो उन्हें कोई रिसीव ही नहीं करता है। विवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि आवेदन फॉर्म में अभ्यर्थी को सिर्फ अपनी कैटेगरी भरनी है। आरक्षण प्रमाण पत्र का नंबर भरने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। वे पुराने प्रमाणपत्र के साथ कॉलम को खाली भी छोड़ सकते हैं, जिसे बाद में अपडेट किया जा सकेगा।

HINDUSTAN Page 6

लॉकडाउन के बाद 15 दिन की क्लास, फिर परीक्षा

लविवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने साफ किया है कि लॉक डाउन खुलने के बाद सीधे परीक्षाएं नहीं होंगी। परीक्षा से पहले कम से कम 15 दिन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। किसी भी छात्र का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। प्रो. राय ने कहा कि शासन के निर्देशों के हिसाब से ही काम किया जाएगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के फेसबुक लाइव कार्यक्रम में कोरोना महामारी के दौरान उच्च शिक्षण संस्थान की भूमिका विषय पर बोल रहे थे। इस दौरान कुछ छात्रों ने सिलेबस पूरे न होने और परीक्षाओं का मुद्दा भी उठाया। कुलपति ने छात्रों की चिंताओं का समाधान किया।

अपनों के नाम से फेलोशिप :
कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय जल्द ही फेलोशिप संवर्धन स्कीम लेकर आ रहा है।

इसके तहत, कोई भी व्यक्ति अपने गुरु या परिजन के नाम पर विशेष स्कॉलरशिप दे सकेगा। कोशिश की जा रही है कि एक छात्र को कम से कम 10 हजार रुपये तक मिल जाएं।

पीएचडी चैम्बर के साथ शोध :
कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षक कोरोना महामारी से होने वाले आर्थिक और सामाजिक प्रभावों पर शोध करने जा रहे हैं।

यह काम पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ मिलकर किया जाएगा।

पीएचडी प्लेसमेंट, उद्यमिता सेल बन रहीं

कुलपति ने बताया कि पीएचडी शोधार्थियों के लिए विशेष प्लेसमेंट सेल तैयार की जा रही हैं। इसके लिए सेंट्रल प्लेसमेंट सेल को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। इसके अलावा, उद्यमिता को भी बढ़ावा देने के लिए विशेष सेल का गठन किया जा रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय रविवार को फेसबुक लाइव द्वारा छात्र-छात्राओं के सवालों के जवाब देते हुए।

स्नातक को प्रोन्नत करने के पक्ष में नहीं

एक सवाल पर कुलपति ने स्पष्ट किया कि हर तरह की स्थितियों पर हमारी नजर है। शासन के निर्देशानुसार निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से छात्रों को प्रोन्नति देने के पक्ष में नहीं हैं। यह उनकी पढ़ाई के साथ समझौता करना होगा। हां, परीक्षा का स्वरूप क्या होगा? यह उस समय की स्थितियों के आधार पर तय किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने विश्वविद्यालय में शौचालय की सुविधा बढ़ाने के लिए 25 लाख रुपये की मदद दी है। इससे मुख्य परिसर में चार और तीन टॉयलेट कॉम्प्लेक्स नवीन परिसर में बनेंगे।

PIONEER Page 4

कोविड-19 के बीच लविवि के अभिनव प्रयोग सराहनीय : दिनेश शर्मा

● शताब्दी वर्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय के विकास के लिए केंद्रीय स्तर पर प्रयासरत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड-19 के दौर में लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे अभिनव प्रयोग कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने सराहना की है रविवार को विश्वविद्यालय के काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा.19 संक्रमण के दौर में उद्यमिता विकास के अभिनव विषय पर तीन दिवसीय वेबिनार का शुभारम्भ करते हुए डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि जब उन्हें अन्य स्रोतों से विश्वविद्यालय के उच्चतम उपलब्धियों एवं नव.विचारों के बारे में प्रशंसा सुनने को मिलती है, तो उन्हें आत्यंत संतुष्टि एवं प्रसन्नता प्राप्त होती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय ई.लर्निंग, ई.कंटेंट, विद्यार्थी ओपीडी, सामुदायिक सेवा तथा विश्वविद्यालय प्रशासन कार्यप्रणाली के क्षेत्र में राज्य स्तर पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रो. शर्मा ने बताया कि वे शताब्दी वर्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय के उन्नयन हेतु केंद्र सरकार के स्तर पर भी प्रयासरत है। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि उप मुख्यमंत्री के मेंह एवं विश्वविद्यालय उच्चीकरण हेतु प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि उचित दिशा.निर्देशन एवं विभिन्न गतिविधियों के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त होती रहती है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन मॉडल्स, ई.न्यूजलेटर, वेबसाइट पुनर्गठन, कम्युनिटी किचन, प्रशासनिक विकेन्द्रीकरण इत्यादि पर लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी पहल कर रहा है। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेण्टर, यीमेन इंटरप्रेन्योरशिप सेल स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया। डीन कॉलेज डेवलपमेंट कॉउंसिल प्रो मधुरिमा लाल ने बताया कि हमारे युवा कमेंट एवं उच्च तकनीक में निपुण मुखिया प्रो आलोक कुमार राय के दिशा.निर्देशों में लखनऊ विश्विद्यालय एक नई पहचान बना रहा है तथा उच्च संस्कार पूर्ण वातावरण का निर्माण हो रहा है। प्रो लाल ने बताया कि सीपीसी ने अपने लगभग 2 वर्ष के कार्यकाल में 10000 से अधिक विद्यार्थियों को क्षमता निर्माण एवं रोजगार योग्य बनाने हेतु प्रशिक्षित किये है तथा 1000 से अधिक लोगों को रोजगार दिलाया है। प्रो दिनेश शर्मा के प्रयास के फलस्वरूप इस सेल में महात्मा गाँधी रोजगार पीठ की भी स्थापना हुई है।

जीडीपी दर 1 से 1.5 प्रतिशत कम होने सम्भावना

वेबिनार के प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफेसर एके सेनगुप्ता ने भारतीय अर्थव्यवस्था एवं विशेषतया उद्यमिता विकास पर कोविड.19 के प्रभावों की विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस महामारी के परिणामस्वरूप जीडीपी दर में 1 से 1.5 प्रतिशत कम होने सम्भावना है तथा अर्थव्यवस्था 3 ट्रिलियन से कम होकर लगभग 2 ट्रिलियन यूएस डॉलर तक आ सकती है। चीन से अपना व्यवसाय समाप्त कर उद्यमियों को भारत में आकर्षित करने का सुनेहरा अवसर है। इसके अतिरिक्त भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के डा आशीष भटनागर ने कोविड संक्रमण के पश्चात उद्यमिता सम्भन्धी चुनौतियों विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किया।

NBT Page 4

स्टूडेंट वेलफेयर फंड से पढ़ाई संग जॉब का मौका

- पुअर स्टूडेंट्स ऐंड फंड का नाम और नियम बदले
- पुअर स्टूडेंट्स फंड नाम होने से नहीं लेते थे स्कॉलरशिप

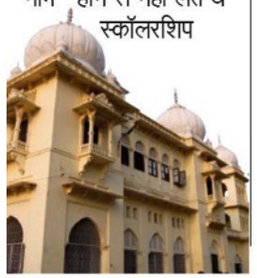

■ **शिवम अग्निहोत्री, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के गरीब स्टूडेंट्स को आर्थिक सहायता लेने में हिचकिचाना नहीं पड़ेगा। एलयू प्रशासन ने पुअर स्टूडेंट्स ऐंड फंड का नाम बदलकर स्टूडेंट वेलफेयर फंड कर दिया है। इसकी नियमावली बदलने के साथ आर्थिक सहायता सीमा में भी बदलाव किया है।

₹15 हजार मिलेगी स्कॉलरशिप

पुअर स्टूडेंट्स ऐंड फंड से पहले गरीब स्टूडेंट्स को ₹5 हजार की छात्र कल्याण स्कॉलरशिप दी जाती थी। स्टूडेंट वेलफेयर फंड से स्कॉलरशिप की धनराशि को बढ़ाकर ₹15 हजार कर दिया गया है।

3 लाख वार्षिक आय पर लाभ

इसके तहत उन स्टूडेंट्स को सहायता मिलती थी, जिनके परिवार की वार्षिक आय दो लाख से कम है, लेकिन अब वार्षिक आय को बढ़ाकर 3 लाख कर दिया गया है।

60% अंक पर आगे भी स्कॉलरशिप

नई नियमावली के मुताबिक, जो भी गरीब स्टूडेंट छात्र कल्याण स्कॉलरशिप का फॉर्म फर्स्ट इयर में भरेंगे, उन्हें 60% अंक आने पर आगे की पढ़ाई के लिए हर साल ₹15 हजार स्कॉलरशिप मिलेगी। 60% से कम आने पर एक बार ही स्कॉलरशिप मिलेगी। वहीं कर्म योगी योजना के तहत स्टूडेंट वेलफेयर फंड से एलयू में पढ़ाई के साथ जॉब का मौका भी मिलेगा। इसमें वर्क एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट भी मिलेगा। स्टूडेंट साल में 50 दिन काम करके ₹15 हजार कमा कर जरूरत पूरी कर सकेंगे।

यह है पुअर स्टूडेंट्स ऐंड फंड

एलयू में गरीब स्टूडेंट्स की मदद के लिए पुअर स्टूडेंट्स ऐंड फंड स्थापित है। इसके नाम पर प्रवेश लेने वाले सभी स्टूडेंट्स से सलाना 200 रुपये फीस ली जाती है। हर साल इस फंड में 40 लाख रुपये जमा होते हैं।

❝ कई स्टूडेंट्स पुअर स्टूडेंट्स फंड नाम होने की वजह से स्कॉलरशिप नहीं लेते थे, जबकि उन्हें आर्थिक सहयोग की जरूरत भी होती थी। इस वजह से फंड का नाम बदलकर स्टूडेंट वेलफेयर फंड किया गया है। *प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू*

यूपीएसईई के जरिए एलयू भरेगा एमबीए की सीट

■ **एनबीटी, लखनऊ:** एमबीए में दाखिले को लेकर एलयू इस बार एंट्रेस एग्जाम नहीं करवाएगा। इसकी सीटें यूपीएसईई के जरिए भरी जाएंगी।

लॉकडाउन की वजह से सरकारी से लेकर निजी विश्वविद्यालयों में ऐडमिशन की प्रक्रिया में काफी विलंब हो रहा है। हाल यह है कि कई बार आवेदन को लेकर डेट बढ़ाई जा चुकी है। यूनिवर्सिटी के प्रवेश समन्वयक डॉ. अनिल मिश्रा का कहना है कि इस बार एमबीए कोर्सों में ऐडमिशन यूपीएसईई के जरिये लिए जाने का निर्णय लिया है।

'कॉलेज खुलते ही नहीं होंगे एग्जाम'

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ यूनिवर्सिटी (एलयू) के वीसी प्रो.आलोक कुमार ने रविवार को फेसबुक पेज पर स्टूडेंट्स के साथ रूबरू हुए और उनके सवालों के जवाब भी दिए। इस दौरान वीसी ने यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों के बारे में बताया। साथ ही स्टूडेंट्स से उनकी समस्याओं को जाना।

फेसबुक लाइव में स्टूडेंट्स ने वीसी से एग्जाम को लेकर सवाल किए। अधिकतर स्टूडेंट्स को भ्रम था कि कॉलेज खुलते ही उनके एग्जाम करवाए जाएंगे। इस पर वीसी ने बताया कि लॉकडाउन के बाद यूनिवर्सिटी खुलते ही एग्जाम नहीं करवाया जाएगा। पहले 15 से 20 दिन तक क्लासेज होंगी। स्टूडेंट्स के डाउट क्लियर किए जाएंगे। इसके बाद ही एग्जाम होंगे। वहीं, कई स्टूडेंट्स ने ई-कंटेंट और ऑनलाइन क्लासेज को लेकर भी सवाल किए।

एलयू वीसी हुए फेसबुक लाइव, स्टूडेंट्स ने पूछे सवाल

'ई-लर्निंग में अग्रणी भूमिका निभा रहा एलयू'

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय ई-लर्निंग, ई-कंटेंट, स्टूडेंट ओपीडी, सामुदायिक सेवा और विश्वविद्यालय प्रशासन कार्यप्रणाली के क्षेत्र में राज्यस्तर पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह बात रविवार को उप मुख्यमंत्री डॉ.दिनेश शर्मा ने कही। वह एलयू के काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित तीन दिवसीय वेबिनार के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उद्यमिता विकास के अभिनव तकनीक विषय पर हो रहे इस वेबीनार के पहले सत्र में एलयू के पूर्व प्रति कुलपति प्रो एके सेनगुप्ता ने बताया कि इस महामारी के परिणामस्वरूप जीडीपी दर 1 से 1.5 प्रतिशत कम होने की संभावना है। अर्थव्यवस्था तीन ट्रिलियन से कम होकर लगभग दो ट्रिलियन यूएसडी तक आ सकती है। वेबिनार में एलयू के सभी संकायों के शिक्षक मौजूद रहे।

लविवि: लॉकडाउन खुलने पर 15 दिन की कक्षाओं के बाद ही होंगी परीक्षाएं

● विश्वविद्यालय स्तर पर शुरू होगी फैलोशिप संवर्धन स्कीम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लाकडाउन 3 के बाद विवि के खुलने पर कक्षाओं के संचालन कम से कम 15 दिन तक किया जाएगा इनके बाद ही परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। रविवार को यह जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के फेसबुक लाइव कार्यक्रम के दौरान दी है। कोरोना महामारी के दौरान उच्च शिक्षण संस्थान की भूमिका विषय पर बोलते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि विश्वविद्यालय स्तर पर जल्द ही फैलोशिप संवर्धन स्कीम लाई जाएगी। इसके तहत कोई भी व्यक्ति अपने परिवार व शुभचिंतकों के नाम पर विशेष स्कॉलरशिप दे सकेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश होगी कि संबंधित छात्र को कम से कम 10000 रुपये की स्कॉलरशिप सुनिश्चित हो सके। प्रोफेसर राय ने कहा कि विश्वविद्यालय में पीएचडी शोधार्थियों के लिए विशेष प्लेसमेंट सेल तैयार की जा रही है। इसके लिए सेंट्रल प्लेसमेंट सेल को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। देश में किसी भी विश्वविद्यालय में यह अलग होगा। इसके अलावाए उद्यमिता को भी बढ़ावा देने के लिए विशेष सेल का गठन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि महिला उद्यमिता सेल बनाने पर जोर है।

व्यक्तिगत रूप से छात्रों को प्रमोट के पक्ष में नहीं

फेसबुक लाइव कार्यक्रम के दौरान एक सवाल पर प्रोफेसर राय ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से स्नातक के छात्रों को प्रमोट करने के पक्षधर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रमोट करने का मतलब पढ़ाई के साथ समझौता होता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी यह निर्णय परिस्थितियों और शासन के निर्देश के आधार पर देखते हुए तय की जाती है। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के शिक्षक कोरोना महामारी से होने वाले आर्थिक और सामाजिक प्रभावों पर शोध करने जा रहे हैं। यह काम पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ मिलकर किया जाएगा।

सहयोग के बनेंगे टॉयलेट कॉम्प्लैक्स

कुलपति ने बताया कि उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने विश्वविद्यालय में शौचालय की सुविधा बढ़ाने के लिए 25 लाख रुपये की मदद दी है। इससेए मुख्य परिसर में चार और तीन टॉयलेट कॉम्प्लैक्स नवीन परिसर में स्थापित किए जाएंगे।